भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2239

मंगलवार, 01 जनवरी, 2019/11 पौष, 1940 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

भारतीय पर्यटन क्षेत्र का उज्जवल भविष्य

2239. श्री डी. कुपेन्द्र रेड्डी:

क्या **पर्यटन मंत्री** यह बनाने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश का पर्यटन क्षेत्र फल-फूल रहा है और ऐसी अपेक्षा है कि भारत आगामी दस वर्षों की अवधि में चौथी सबसे बड़ी यात्रा और पर्यटन अर्थव्यवस्था बन जाएगा, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने देश में पर्यटन की संभावना वाले स्थलों की पहचान की है ताकि भविष्य की मांग को पूरा करने के लिए उन स्थानों पर संपूर्ण अवसंरचना स्थापित की जा सके; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री के.जे. अल्फोंस)

(क) : भारत में विदेशी पर्यटक आगमन में वर्ष 2016 से 2017 में 14.0% की दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज की गई है। पर्यटन मंत्रालय ने आगामी दस वर्षों में भारतीय यात्रा और पर्यटन उद्योग के आकार के आकलन हेतु कोई अध्ययन नहीं किया है।

(ख) और (ग) : पर्यटन मंत्रालय ने अन्य हितधारकों के सहयोग से देश में निम्नलिखित 17 स्थलों को प्रतिष्ठित पर्यटक स्थलों के रूप में विकास हेतु चिह्नित किया है:-

1. ताज महल (उत्तर प्रदेश)
2. फतेहपुर सीकरी (उत्तर प्रदेश)
3. अजन्ता (महाराष्ट्र)
4. एलोरा (महाराष्ट्र)
5. हुमांयु का मकबरा (दिल्ली)
6. कुतुब मीनार (दिल्ली)
7. लाल किला (दिल्ली)
8. कोलवा समुद्र तट (गोवा)
9. आमेर का किला (राजस्थान)

10. सोमनाथ (गुजरात)
11. धौलावीरा (गुजरात)
12. खजुराहो (मध्य प्रदेश)
13. हम्पी (कर्नाटक)
14. महाबलीपुरम् (तमिलनाडु)
15. काजीरंगा (असम)
16. कुमारकोम (केरल)
17. महाबोधि मंदिर (बिहार)

देश में प्रतिष्ठित पर्यटक स्थलों के विकास की शुरूआत निम्नलिखित प्रयोजन से की गई है:-

- वैश्विक मापदण्ड के चयनित प्रतिष्ठित स्थलों का समग्र विकास।
- सतत् पर्यटन अवसंरचना का विकास करना।
- मजबूत प्रचालन और रखरखाव योजना।
- प्रतिष्ठित स्थलों का प्रचार एवं संवर्धन।
- सामूहिक सहभागिता के माध्यम से रोजगार सृजन।

****